CHAPTER-VI

MEMBERS BLOSSOM

(DISCLAIMER: AIACE neither takes responsibility of Originality and veracity of contributions nor subscribe to the theme and views of the contributors)

नमिता सेनगुप्ता

पत्नी, स्व. के आर सेनगुप्ता

सदस्य संख्या 20109

51, **मंदाकिनी कॉलोनी**, **पो.सर्वधाम**, **सेक्टर-बी**,
सोलर रोड, **भोपाल**, **म.प्र.**

मेरी स्वरचित कविता

दीपदान

प्रकृति आकाश धरा को
समर्पण त्याग स्नेह को
नैसर्गिक सौंदर्य का हमें
दिया दान

मैं करुं दीपदान
कंचनजंगा के उत्तुंग शिखर को
जहां सूर्य रश्मियां प्रथम कराती स्नान

भागीरथ के चरणों को न्यौछावर करुं दीपदान
कल कल करती गंगा को
लाये भू पे
जन जन को दिया जीवन दान

दूं दीपदान
किसान के पसीने से सनी
माटी को

जहां लहलहाती शस्य श्यामला
देती सबको अन्नदान

गौशाला की पवित्र भूमि पर करुं दीपदान
निस्वार्थ भाव से हमें कराती
स्निग्ध दुग्ध का अमृतपान

बूढ़े बरगद के पेड़ को
अर्पण है दीपदान
चीन्हें अनचीन्हें पथिकों को
अपनी छाया में दिया स्थान

माता पिता गुरु के चरणों
में करुं दीपदान
मेरे अंतस की अमावस्या को
हटा दिया जीवन का संज्ञान

दीपदान
देश के प्रति समर्पित वीर
योद्धाओं को
मातृभूमि की रक्षा में
दिया अपने प्राणों का बलिदान

आओ हम सब अंतर दीप जलाये
अंतर की अमावस्या में उजियारा लाये
जगाते सुप्त हुई मानसिकता को
आप सभी को दीपान्विता की अजश्र शुभकामनाएं

नमिता सेनगुप्ता 🙏 🪔🪔🪔🪔🪔🪔🪔

बिजय किशोर प्रसाद सिन्हा

सदस्य सख्यां 1490, **बेरमो**, **बोकारो**,

झारखण्ड

एआईएसीई एवं एआईसीपीए है एक ऐसा नाम,
जिसके कर्म प्रकाश से आलोकित है कोल ईण्डिया परिवार।
आज से कुछ वर्ष पुर्व तक धुमिल थी आशाऐं सबकी,
चाहै वो कर्मचारी हो या हो अधिकारी,
सेवारत हो या सेवानिवृत्ति, टुट चुकी थी आशाऐं सबकी।
ईस अधंकार को दूर करने,
अधिकारियों का एक संगठन एआईएसीई तथा अधिकारी सह कर्मचारी संगठन एआईसीपीए,
उदित हुआ कोल ईण्डिया के छितिज पर।
सारथी है जिसका पी के सिंह राठौर, सेनानायक भी है कई अनुभवी, कर्नठ, समर्थ और सुयोग्य

जिनके कुशल नेतृत्व ने, छोटे से ही अंतराल मे बनाई अपनी पहचान,
पकड़ी है अब रफतार ईसने,
मिला है सबका सहयोग,
सगंठन की कार्यप्रणाली ने
छोड़ी है ऐसी छाप, कांप उठा है कोल ईण्डिया प्रबन्धन भी,
होने लगे अब रूके हुए सारे काम।
बारी अब है दशको से , रूकी हुई पेन्शन पुनरीछन की।
आशाएं अब बलवती हो रही है,
जाग रहा है विश्वास,
पुरी होगी पेन्शन पुनरीछन की आश।

स 0 संख्या-- 1490
बी के पी सिन्हा ।

नमिता सेनगुप्ता

पत्नी, स्व. के आर सेनगुप्ता

सदस्य संख्या 20109

51, **मंदाकिनी कॉलोनी**, **पो.सर्वधाम**, **सेक्टर-बी**,
सोलर रोड, **भोपाल**, **म.प्र.**

एआईएसीई बोनाफाइड एसोसिएशन

एआईएसीई का परिवार विशाल ,
थामी संकल्पों की मशाल ।
अभिलाषा की नींव गढ़े ,
कोल परिवार रहे खुशहाल ।

चाहे परिस्थितियाँ हो विषम ,
बाधाओं का हो घना तम ।
आशाओं को कर प्रज्वलित ,
कर्मों से बनाता पथ सुगम।

हताशा के अंधकार को हटाकर,
सबके जीवन में लाये उजाला ।
निस्वार्थ भाव से हित सोचे ,
एआईएसीई है शुभ संकल्पों वाला ।

वो है सबका पथ प्रदर्शक,
अथक धैर्य का है परिचायक।
कठिन चुनौतियों का करे सामना ,
बनता सभी जनों का ये रक्षक ।

एआईएसीई रखे सदैव दूर दृष्टि ,
नित नए सोपान की करे सृष्टि ।

लक्ष्य पाने का रखता ध्येय,
उपलक्ष्य पूर्ण होने पर पाये संतुष्टि ।

एआईएसीई बोनाफाइ□ एसोसिएशन,
सतत प्रयत्नशील करने उन्नयन।
रचा इतिहास निरंतर प्रगति का ,
तुमको सश्रद्ध नमन अभिनंदन 🙏

नमिता सेनगुप्ता